



निबंधित डाक द्वारा

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद

परिवेष भवन, एन.एस.बी.-2, पाटलीपुत्र औद्योगिक क्षेत्र
पो0-सदाकत आश्रम, पाटलिपुत्र, पटना-800010

पत्रांक :- म/त-3-2019/19/
प्रेषक

पटना, दिनांक:-

आलोक कुमार, भा0व0से0,
सदस्य-सचिव

सेवा में,

जिला पदाधिकारी
पश्चिमी चम्पारण-845438.

विषय: मेसर्स तिरूपति सुगर लि0, नरायपुर, बगहा, जिला-पश्चिमी चम्पारण द्वारा सुगर मिल का ईख पेराई एवं को-जेनरेशन पावर प्लांट का क्षमता विस्तार के साथ मोलासेस पर आधारित नई डिस्टीलरी इकाई (इथनॉल) की स्थापनार्थ परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति के वास्ते लोक सुनवाई की अध्यक्षता करने के संबंध में ।

महाशय,

उपर्युक्त के प्रसंग में सूचित करना है कि पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के अधिसूचना संख्या एस. ओ. 1533, दिनांक 14 सितम्बर, 2006 के आलोक में मेसर्स तिरूपति सुगर लि0, नरायपुर, बगहा द्वारा सुगर मिल का ईख पेराई एवं को-जेनरेशन पावर प्लांट का क्षमता विस्तार के साथ मोलासेस पर आधारित नई डिस्टीलरी इकाई (इथनॉल) की स्थापनार्थ परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति के वास्ते लोक सुनवाई करने हेतु अनुरोध पत्र वांछित कागजात के साथ उपलब्ध कराया गया है। लोक सुनवाई की अध्यक्षता संबंधित जिला पदाधिकारी या उनके प्रतिनिधि, जो एडिसनल डिस्ट्रीक्ट मजिस्ट्रेट के श्रेणी से कम न हो, द्वारा की जानी है।

सूचित करना है कि प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक-सुनवाई दिनांक 29.06.2019 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में इकाई के नजदीक स्थल-नार्थ बिहार सुगर मिल्स +2, उच्च माध्यमिक विद्यालय, नरईपुर, बगहा-2, जिला-पश्चिमी चम्पारण के परिसर में सुनिश्चित की गयी है। इसकी सूचना दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से भी प्रकाशित की गई है, जिसकी छाया प्रति सुलभ जानकारी हेतु संलग्न की जा रही है। आवेदक से प्राप्त परियोजना के ड्राफ्ट ई.आई.ए. एवं कार्यपालक सार (हिन्दी एवं अंग्रेजी में) की प्रति हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी संलग्न कर भेजी जा रही है, ताकि परियोजना से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के लोगों के अवलोकनार्थ प्रदर्शित कराया जा सके।

अनुरोध होगा कि लोक सुनवाई की अध्यक्षता उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार सुनिश्चित करने की कृपा की जाय।

- अनुलग्नक: 1. ड्राफ्ट ई.आई.ए. की हार्ड एवं सॉफ्ट प्रति।
2. हिन्दी एवं अंग्रेजी में कार्यपालक सार की प्रति।
3. समाचार पत्र में प्रकाशित सूचना की छाया प्रति।

विश्वासभाजन्

ह0/-

(आलोक कुमार)
सदस्य-सचिव

ज्ञापांक :-

पटना, दिनांक :-

प्रतिलिपि :- आरक्षी अधीक्षक, बगहा-2, पश्चिमी चम्पारण को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित। अनुरोध है कि प्रासंगिक लोक सुनवाई के दौरान समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना को आदेश देने की कृपा की जाय।

ह0/-

(आलोक कुमार)
सदस्य-सचिव

कार्यकारी सारांश

तिरूपति शुगर लिमिटेड

विस्तार प्रस्ताव

(प्रस्तावित क्षमता विस्तार शुगर मिल 7000 से 15000 टन गन्ना प्रतिदिन तक तथा विद्युत सह-उत्पादन परियोजना मौजूदा 18 से बढ़ा कर 88 मेगा वाट और 200 किलो लिटर प्रतिदिन क्षमता की नई डिस्टिलरी परियोजना की स्थापना)

परियोजना स्थल :-

गाँव : नरेयपुर

ब्लॉक : बगहा

जिला -पश्चिम चंपारण,

बिहार- 845105

परिचय:-

तिरुपति शुगर लिमिटेड द्वारा 7000 टन गन्ना प्रतिदिन एवं 18 मेगावाट विद्युत सह-उत्पादन परियोजना का संचालन 2002 से कर रही है। अब परियोजना प्रस्तावक ने अपनी मौजूदा उत्पादन क्षमता को 7000 टन गन्ना प्रतिदिन से बढ़ाकर 15000 टन केन प्रतिदिन किये जाने का निर्णय लिया है तथा विद्युत सह-उत्पादन परियोजना मौजूदा 18 से बढ़ा कर 88 मेगा वाट और 200 किलो लिटर प्रतिदिन क्षमता की नई डिस्टिलरी परियोजना की स्थापना किये जाने का निर्णय लिया है।

परियोजना स्थल एवं पर्यावरणीय संवेदनशीलता:-

परियोजना स्थल	गाँव : नरेयपुर ब्लॉक : बगहा, जिला : पश्चिम चंपारण। बिहार		
	कोना	आक्षांश	देशांतर
परियोजना क्षेत्र भौगोलिक समन्वय	उ०पु०	27° 7'55.63"N	84°4'44.62"E
	द०पु०	27° 7'31.11"N	84°4'36.15"E
	उ०प०	27° 7'53.68"N	84°4'33.08"E
	द०प०	27° 7'33.23"N	84°4'26.80"E
प्रस्तावित डिस्टिलरी परियोजना	कोना	आक्षांश	देशांतर
	उ०पु०	27° 7'45.87"N	84°4'51.87"E
	द०पु०	27° 7'33.31"N	84°4'52.99"E
	उ०प०	27° 7'45.13"N	84°4'42.10"E
	द०प०	27° 7'33.73"N	84°4'38.64"E
समूद्र तल से उंचाई	92मीटर		
प्लांट का कुल क्षेत्रफल	50.58 हेक्टर		
प्रस्तावित डिस्टिलरी परियोजना क्षेत्र	8हेक्टर		
निकटतम रेलवे स्टेशन	बगहा (0.5 किलोमीटर)		
निकटतम राजमार्ग	एन0 एच0 28 बी (0.75 किलोमीटर)		
निकटतम मुख्य शहर	बेतिया (65 किलोमीटर)		
निकटतम नदी	गंडक नदी(1.75 किलोमीटर)		
राष्ट्रीय उद्यान, आरक्षित वन	बाल्मिकी टाईगर रिजर्व 5 कि०मि० उ०प०		
वन्य प्राणी अभ्यारण्य			
बायोस्फियर रिजर्व, पर्वत, घाटियाँ			

परियोजना सारांश:-

परियोजना	मौजूदा उत्पादन क्षमता को 7000 टन गन्ना प्रतिदिन से बढ़ाकर 15000 टन गन्ना प्रतिदिन चीनी उत्पादन प्रस्तावित है। तथा विद्युत सह-उत्पादन परियोजना मौजूदा 18 से बढ़ा कर 88 मेगा वाट और 200 किलो लिटर प्रतिदिन क्षमता की नई डिस्टिलरी परियोजना की स्थापना प्रस्तावित है				
परियोजना स्थल	गाँव - नरेयपुर ब्लॉक - बगहा जिला - पश्चिम चंपारण, बिहार,				
परियोजना प्रस्तावक	तिरुपति शुगर लिमिटेड				
उत्पादन विवरणी	इकाई/ संयंत्र	उत्पाद	मौजूदा उत्पाद	प्रस्तावित	कुल क्षमता
	चीनी मिल	चीनी	7000 टन गन्ना प्रतिदिन	8000 टन गन्ना प्रतिदिन	15000 टन गन्ना प्रतिदिन
	डिस्टिलरी	इथेनॉल/ आर एस/ई एन ए	..	200 केएलडी	200 केएलडी
	विद्युत सह-उत्पादन	विद्युत	18 मेगावाट	70 मेगावाट	88 मेगावाट
भूमि	मौजूदा मिल के पास 50.58 हेक्टर भूमि उपलब्ध है और प्रस्तावित डिस्टिलरी परियोजना क्षेत्र के 8 हेक्टर भूमि पर लगाना है। क्षेत्र का 33 प्रतिशत भाग हरितपट्टी के रूप में विकसित किया गया है। मौजूदा परिसर के पास प्रस्तावित क्षमता विस्तार हेतु पर्याप्त जगह उपलब्ध है। एक वर्षा संचय तालाब भी प्रस्तावित परियोजना स्थल के भीतर अविश्लेषित पानी की सेवन को कम करने के लिए विकसित किया जाएगा।				
परियोजना लागत कुल	307.50 करोड़				
पूरक जल		मौजूदा ताजा जल	ताजा जल प्रस्तावित	कुल जल	
	चीनी मिल और विद्युत सह- उत्पादन	700 किलोलीटर प्रतिदिन	800 किलोलीटर प्रतिदिन	1500 किलोलीटर प्रतिदिन	

	डिस्टिलरी	...	1800 किलोलीटर प्रतिदिन	1800 किलोलीटर प्रतिदिन
	स्रोत : वर्तमान बोरवेल			
विद्युत	विद्युत सह-उत्पादन परियोजना मौजूदा 18 मेगावाट से बढ़ाकर 88 मेगावाट (आंतरिक उत्पादन)			
पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के प्रयोज्यता	वर्ग 'ए' {5(जी)} डिस्टिलरी			

आधारभूत पर्यावरणीय अध्ययन

विभिन्न पर्यावरणीय मानकों के उत्पन्न आधारभूत तथ्य प्रस्तावित स्थल के 10 किमी के दायरे में नवम्बर 2018- जनवरी 2019 के दौरान किया गया था और निष्कर्ष नीचे प्रस्तुत की जा रही है।

मौसम:-

अध्ययन अवधि के दौरान दैनिक औसत तापमान 2.9 – 26.3 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया था। नवम्बर 17 के दौरान अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा तथा दिसंबर 18 के दौरान न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस रहा। तापमान का औसत मूल्य 14.1 डिग्री सी पाया गया। अध्ययन के दौरान सापेक्ष आर्द्रता 58 –78% के सीमा में पाया गया। औसत सापेक्ष आर्द्रता 67% दर्ज की गई।

अध्ययन अवधि के दौरान वर्षा नहीं दर्ज की गई।

वायु:-

परिवेश वायु गुणवत्ता की निगरानी 8 स्थानों पर की गयी है। सारांश नीचे प्रस्तुत किया गया है।

क्रम सं०	स्थान का नाम	घनत्व (माइक्रोग्राम / घन मी)									
		पी.एम.१०		पी.एम.२.५		सलफर डाइऑक्साईड		नाइट्रोजेन डाइऑक्साईड		कार्बन मोनोऑक्साईड	
		न्यून.	अधिक.	न्यून.	अधिक.	न्यून.	अधिक.	न्यून.	अधिक.	न्यून.	अधिक.
A1	नरेयपुर	57.6	79.3	34.4	47.3	10.8	19.5	15.1	40.1	0.18	0.84
A 2	पडेगाओं	36.2	54.9	21.1	34.4	8.2	18.8	10.7	25.5	0.10	0.29
A 3	गेरियापट्टी	39.9	52.4	23.8	32.5	8.8	15.5	12.5	23.4	0.09	0.43

A 4	विशुनपुरवा	36.0	49.4	21.2	30.1	7.5	13.5	10.1	18.2	0.16	0.66
A 5	रामपुरवा	40.2	55.5	23.6	33.6	6.9	17.1	12.8	24.8	0.19	0.65
A 6	सुखवन	31.6	58.1	19.4	40.2	8.1	14.6	10.9	24.5	0.08	0.68
A 7	पकरगाँव	34.4	50.2	18.9	30.1	5.9	15.1	10.5	22.6	0.11	0.70
A 8	सोझीघाट	42.2	57.8	20.1	35.5	6.4	17.7	12.6	34.8	0.10	0.66

निलंबित धूलकण, पी.एम. 10, पी.एम. 2.5, सलफरडाइऑक्साईड, नाइट्रोजेन डाइ ऑक्साईड एवं कार्बन मोनोक्साईडके मध्यम घनत्व क्रमशः 31.6–79.3 माइक्रोग्राम /घन मी, 18.9–47.3 माइक्रो ग्राम/घन मी, 5.9–19.5 माइक्रो ग्राम/घन मी, 10.1–40.1 माइक्रो ग्राम/घन मी और 0.08–0.84 माइक्रो ग्राम/घन मीके बीच पायी गयी हैं ।

पानी:—

क्रम सं	स्थान का नाम
GW1	नरेयपुर
GW2	पडेगाँव
GW3	गेरियापट्टी
GW4	विशुनपुरवा
GW5	रामपुरवा
GW6	सुखवन
GW7	पकरगाँव
GW8	सोझीघाट
SW1	गंडक नदी (अपस्ट्रीम)
SW2	गंडक नदी (डाउनस्ट्रीम)
SW3	हरहा नदी (अपस्ट्रीम)
SW4	हरहा नदी (डाउनस्ट्रीम)

8 स्थानों से भूमिगत जल के नमूने एकत्र किये गये हैं एवं चार स्थान से सतही जल के नमूने एकत्र किये गये हैं और परीक्षित परिनाम अनुमेय सीमा के भीतर हैं ।

सभी पानी के नमूने सहमत स्वाद मे रहे थे। सभी पानी के नमूनों का रंग 5 हैजेन यूनिट से कम पाया गया। सभी पानी के नमूनों की गंध स्वीकार्य थी।

फ्लोराइड और बोरान के कारण पानी के नमूने दूषित होने से मुक्त पाए गए। पानी के नमूनों में घुलनशील ठोस स्तर 362–423 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाए गए जो कि अनुमेय सीमा के अंदर है। ग्राम रामपुरवा से पानी का नमूना न्यूनतम टीडीएस था जबकि अधिकतम पकरगांव में पाया गया था।

क्लोराइड 18–55 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाए गए। सल्फेट्स 16–78 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाए गए थे। कुल कठोरता का मान 225–296 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में पाया गया था। कुल क्षारीयता मान 234–318 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में थे। लोहे के मान 0.20–0.26 मिलीग्राम/लीटर और जस्ता के मान 0.25–0.58 मिलीग्राम/लीटर की सीमा में हैं।

अन्य सभी मापदंडों को पीने के पानी के लिए निर्धारित IS 10500:2012 की अनुमेय सीमा के भीतर ही पाया गया है।

ध्वनि :-

8 स्थानों पर ध्वनि स्तर की जाँच की गयी है ।

क्रम सं	स्थान का नाम
N1	नरेयपुर
N2	पडेगाओं
N3	गेरियापट्टी
N4	विशुनपुरवा
N5	रामपुरवा
N6	सुखवन
N7	पकरगाँव
N8	सोझीघाट

विभिन्न स्थानों पर दर्ज किये गये ध्वनि स्तरनिर्धारित अनुमय स्तर के भीतर हैं ।

पारिस्थिति विज्ञान:-

स्थनीय वनस्पतियों और पशुवर्ग मूल्यांकन करने के लिये एक आधारभूत सर्वेक्षण की गयी है ।

सामाजिक अर्थव्यवस्था:-

2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार बगहा सीडी ब्लॉक की कुल आबादी 285366 व्यक्तियों की है, जिसमें 50854 घरों की संख्या है। कु पुरुष आबादी 149841 है और कुल महिला आबादी 135525 है। यहाँ मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र का आबादी है।

अनुसूचित जाति (एस.सी.) की आबादी 48231 है, जिसमें से 25221 पुरुष और 23140 महिलाएं हैं। अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) की जनसंख्या 4257 है, इनमें से 2206 पुरुष और 2051 महिलाएं हैं।

अध्ययन क्षेत्र में प्रचलित लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों में 900 महिलाएं हैं।

मुख्य भाषा हिन्दी है। पीने के पानी की आपूर्ति प्राथमिकता से कुओं, और नलकूप के पानी से की जाती है। अध्ययन क्षेत्र के भीतर कुछ गाँवों में प्राथमिक स्कूल हैं। इन क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधायें भी उपलब्ध हैं। घरेलू कृषि, उद्योग और सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था के प्रयोजनों के लिये विद्युत की आपूर्ति किये जाते हैं। अध्ययन क्षेत्र में विद्युत एव टेलीफोन के सुविधायें उपलब्ध हैं।

पर्यावरणीय प्रभाव और संचालन योजना

वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय:-

प्रस्तावित विस्तार परियोजना के उद्गम स्थानों के निस्सरण से निपटने के लिये, प्रस्तावित संयंत्र में प्रदूषण नियंत्रण सिस्टम स्थापित किया जायेगा। कच्चे माल स्थानांतरण क्षेत्र, लदान और उतराई क्षेत्र तथा कार्य क्षेत्र में भगोड़ा उत्सर्जन को कम करने के लिए, प्रस्तावित संयंत्रचारों ओर हरित पट्टी का विकास किया जाएगा।

अपशिष्ट जल उपचार :-

यह संयंत्र धुल दमन और हरियाली विकास सहित अधिकतर इस्तेमाल की जा चुकी वस्तु का पुनः प्रयोग के तकनीक पर आधारित है ताकि तरल मूतिफ के परिमाण शून्य हो

